



प्रोपराइटरी आयुर्वेदिक औषधि

थाइमोटास

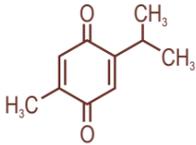
१२.५ मि.ग्रा.

INTAS

प्रोडक्ट की जानकारी:

थाइमोटास इन्टास फार्मास्यूटिकल्स द्वारा निर्मित विश्व की सबसे पहली थाइमोक्रिनोन का पेटन्टड रिसर्च फॉर्मूलेशन है और वह स्थिर, मानकीकृत और रेडी-टू-यूज टैब्लेट है।

नाइजेला सटिवा का प्रयोग अस्थमा, हाइपरटन्शन, डायबिटिज, सूजन, खांसी, ब्राँकाइटिस, सिरदर्द, एक्जिमा, बुखार, चक्कर आना और इन्फ्लूएंजा समेत कई बीमारियों के उपचार के लिए होता है। इस के औषधिय गुण थाइमोक्रिनोन के आभारी हैं, जो विपुल मात्रा में नाइजेला सटिवा से प्राप्त होता है।



चित्र: थाइमोक्रिनोन की रासायनिक संरचना

वैज्ञानिक संशोधन और औषधीय गुण: थाइमोक्रिनोन पर अनेक वैज्ञानिक प्रकाशन उपलब्ध हैं। थाइमोक्रिनोन के एंटीवायल, एंटीबैक्टेरियल, एंटीऑक्सिडेंट, एंटीएफ्लेमेटरी, एंटीडायबिटिक, एंटीकैंसर और हेपटोप्रोटेक्टिव, आदि गुणों की जांच की गई है।

एंटीवायरल गुण: थाइमोक्रिनोन संक्रमित चूहा की प्लीहा और यकृत में म्यूरिन साइटोमेगालो वायरस (सी.एम.वी) को आगे बढ़ने से अवरोधित करते प्राप्त हुआ है। अतिरिक्त, थाइमोक्रिनोन के उपचार से सीरम इंटरफेरॉन-वाय (आई.एफ.एन.-वाय) के स्तर और सीडी-४+टी कोशिका और मैक्रोफेज की संख्या में बढ़ोतरी पाई गई थी। हेपेटाइटिस-सी वायरस (एच.सी.वी) के मरीजों के उपचार में लाल रक्त कोशिकाओं की गणना और एंटीऑक्सिडेंट की प्रवृत्ति में वृद्धि पाई गई और वायरल लोड के साथ प्रोटीन स्तर भी कम होता हुआ पाया गया। हाल ही में टर्की पक्षी के एवियन इन्फ्ल्यूएन्जा वायरस (एच-९एन-२) के सामने थाइमोक्रिनोन और क्लरुमिन के संयोजन से सहक्रियात्मक असर देखनें को मिले थे। इसके अलावा इस संयोजन से टर्कि पक्षी के एंटीवायरल इम्यूनिटी के रेस्पॉन्स में भी बढ़ोतरी हुई थी। थाइमोक्रिनोन एन्टेइन-बार वायरस (ई.बी.वी.) संक्रमित बी कोषिका के अस्तित्व को बाधित करता पाया गया है।

एंटीबैक्टेरियल असर: थाइमोक्रिनोन से ग्रामपॉजिटिव और ग्रामनेगेटिव बैक्टेरिया कि भी कई प्रजातियों के पर व्यापक एंटीबैक्टेरियल प्रभाव देखने को मिला है। बरिलस सेरीअस, एस. ओरियस और एस. एपिडिमिडिस जैसे ग्रामपॉजिटिव बैक्टेरिया ने उसके सामने संवेदनशीलता दर्शाई है। इसके अलावा इस में मेथिसिलिन-रेजिस्टन्ट स्टैफिलोकोक्स ओरियस (एम.आर.एस.ए.) के विरुद्ध भी प्रक्रिया पाया गया था। थाइमोक्रिनोन को एस.ओरिअस और एस.एपिडिमिडिस, एन्टरकोकोक्स फेसलिस और पी.ऐरुगिनोसा जैसे बैक्टेरियल स्ट्रेन्स में बायोफिल्म की रचना को प्रभावी रूप से बाधित करता हुआ भी पाया गया। थाइमोक्रिनोन ड्रग-ससेप्टबल और ड्रग-रेजिस्टन्ट एम. ट्यूबरक्युलोसिस दोनों के खिलाफ सक्षम दवाई के तौर पर पाया गया था।

एंटीइन्फ्लेमेटरी गुण: थाइमोक्रिनोन का वर्णन एक अति उत्तम एंटीएन्फ्लैमटॉरी उत्तम एंटीएफ्लेमेटरी के तौर पर भी किया गया है जो अनेक साइट्स पर निशाना बांधता है। वह ट्यूमर नेक्रोसिस फेक्टर (टी.एन.एफ.), इन्ड्यूसिबल एन.ओ.एस., सी.ओ.एक्स-२, ५-लिपोक्सिजे-नेज़ और सायक्लिन डी-१ जैसे प्रो-इन्फलेटरी और प्रोलिफिक्टिव मीडिएटर के प्रभाव को कम करता हुआ पाया गया है, साथ ही ट्रैन्स्क्रिप्शन फैक्टर न्यूक्लियर फैक्टर कप्पा बी (छन्न-ज़इ), ए.के.टी. और एक्स्ट्रासेल्यूलर सिग्नल-रैयुलेटेड काइनायसे (इ.आर.के.) के सिग्नलिंग पाथवेज़ के एक्टिवेशन को बाधित करने में मदद करता है। एनएफ-कैबी के एक्टिवेशन को दबाने कि वजह से थाइमोक्रिनोन को सूजन, प्रसार, आक्रमण, ट्यूमर सॉल सरवाइवल और एन्जियोजेनेसिस को रोकनेवाला एक प्रभावी घटक तत्व माना जाता है।

एंटीऑक्सिडेंट गुण: थाइमोक्रिनोन ऐनाइअन और आर.ओ.एस. (प्रतिक्रियाशील ऑक्सिजन प्रजातियों) के स्केवेन्जिंग द्वारा शक्तिशाली एन्टिऑक्सिडेंट के तौर पर पाया गया है। यह ईसेमिक रिपेरफ्यूजन घाव की स्थिति में सुधार कर सकता है और आंत, हृदय और किडनी में आर.ओ.एस. को भी कम करता है। यह ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस मॉडल में मल्टिपल ओर्गन टोक्सिसिटी में सुधार कर सकता है। यह कई एंजाइमों की गतिविधि को प्रभावित करता है, जो कोशिका के एंटीऑक्सिडेंट सिस्टम में शामिल फ्री- रेडिक्ल्स से रक्षा प्रदान करता है। निम्न मॅलोनडिआल्डीहाइड (एम.डी.ए.) के स्तर के कारण बढ़ने वाले पेरोक्सिडेशन (ए.पी.ओ.) के स्तर को थाइमोक्रिनोन घटाता हुआ देखने को मिला, जो इसके शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट गुणों को दिखाता है। थाइमोक्रिनोन में क्रिनोन की रचना में रेडोक्स गुण है,

जो उसके एंटीऑक्सिडेंट प्रभाव के साथ जुड़ा हुआ है। इसके अलावा मोर्फोफिजियोलोजिकल अवरोध पार करने की असीम क्षमताओं के कारण वह सबसेल्यूलर कम्पार्टमेन्ट में आसानी से प्रवेश कर के रेडिकलस्केवेन्जिंग प्रभाव को मुमकिन बनाता है।



एंटीडायबिटिक गुण: ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस के कारण हानि होने वाले अग्राशय- β कोशिकाओं को थाइमोक्रिनोन सुरक्षा देने में सक्षम है, वह हिपेटिक ग्लुकोनीयोजिनेसीस को कम करता है। यह इन्स्यूलिन रेजिस्टन्स, प्रोटीन ग्लायकेशन और डायबिटीक नेफ्रोपथी को रोकता है और इसमें अनेक एंटीडायबिटीक गुण हैं। थाइमोक्रिनोन की एंटीऑक्सिडेंट, साइटोप्रोक्टिव और इम्यूनोमोड्यूलेटिंग क्रियाएं डायबिटिज और उसकी जटिलताओं के उपचार में सहायक हैं।

एंटीकैंसर गुण: पी.टी.इ.एन. (फोफ्टेज और टेन्सिन होमोलॉग) जीन और साइक्लिनडिपेन्डन्ट कायनेस इन्हीबीटर के अपरेयुलेशन द्वारा एपोप्टोसिस के इन्डक्शन में और कैंसरस सॅल के सेलसाइकल अरेस्ट में थाइमोक्रिनोन की महत्वपूर्ण भूमिका है। अनेकों कैंसर ग्रस्त कोशिकाओं के सामने और कैंसर को बढ़ते हुए रोकने के लिए थाइमोक्रिनोन का अभिनव मोलेक्यूलर टार्गेट प्रोटीन काइनेज़, एन.एफ.-के.बी., एन्जियोजेनेसिस और ट्यूमरिजेनेसिस का मोड्यूलेशन है। कैंसर की रोकथाम में थाइमोक्रिनोन की क्षमता का आकलन करने के लिए पशु मॉडल और प्रयोगशाला अनुसंधान आधारित कई अध्ययन किए गए हैं।

हेपटोप्रोटेक्टिव गुण: थाइमोक्रिनोन की हेपटोप्रोक्टिव एक्टिविटी का बड़े पैमाने पर अध्ययन किया गया है। प्रायोगिक पशु मॉडल में हेपेटाॉक्सिसिटी और लिवर संबंधित रोगों के खिलाफ यह एक उत्कृष्ट प्राकृतिक सुरक्षात्मक घटक मालूम हुआ है। हेपेटोप्रोटेक्शन में थाइमोक्रिनोन की एन्टिओक्सिडेंट क्षमताओं की मुख्य भूमिका रही है, इसलिए थाइमोक्रिनोन लिवर से संबंधित रोगों के उपचार और अनेक हानिकारक घटक और दवाइयों से बचाने के लिए एक संभावित प्राकृतिक उपचार है।

थाइमोटास का डोज़:

थाइमोटास का निर्देशित डोज़:

- रोग प्रतिरोधक के रूप में प्रति दिन १२.५ मिलिग्राम
- संक्रमण के उपचार में सहायक के तौर पर: संक्रमण की गंभीरता अनुसार ५० मिलिग्राम या डॉक्टर के परामर्श अनुसार
- टैब्लेट को भोजन के बाद लेना है।
- इसे पूरा ही निगलना है, तोड़े या चबाएं नहीं।

सावधानी: गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए इसका उपयोग करने की अनुशंसा नहीं की जाती है। बच्चों में इसके भाव और सुरक्षा का अध्ययन नहीं किया गया है।

सुरक्षा: थाइमोक्रिनोन का वैज्ञानिक मूल्य दशकों के स्थापित है और इसकी अंतर्निहित सुरक्षा को दर्शाते हुए कई प्रकाशन उपलब्ध हैं। थाइमोटास स्वास्थ्य व्यक्ति को १००० मिलिग्राम सिंगल डोज तक सुरक्षित रूप से प्रशासित किया गया है। डायबिटीस के मरीजों के लिए ३ माह तक प्रतिदिन १०० मिलिग्राम सुरक्षित प्रयोग किया जा सकता हैं। किसी को थाइममोक्रिनोन की अधिक मात्रा से पेट में परेशानी, दस्त आदि का होना सामान्य है और यह औसतन कम समय के लिए ही रहता है।

स्टोरेज: २५० ल के नीचे के तापमान में स्टोर करें।

प्रेजन्टेशन: थाइमोटास १२.५ मिलिग्राम, ३० टैब्लेट की बोतल में उपलब्ध है।

Manufactured by:

INTAS

INTAS PHARMACEUTICALS LTD.

Plot No. 457, 458, Sarkhej - Bavla Road, Vill: Matoda,

Ta: Sanand, Dist: Ahmedabad-382 210. India

Customer Care: +91 079 6157 7000

Email: thymotas@intaspharma.com

INP011
10 4807 0 6005082